अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। - www.onlinedoctranslator.com

व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि – (पापड़ और बड़ी)

द्वारा

चामुंडा माता-स्वयं सहायता समूह

एसएचजी नाम	चामुंडा माता
वीएफडीएस नाम	नंदपुर भटोली
श्रेणी	नगरोटा सूरियां
घेरा	हमीरपुर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रमांक।	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	3
2	लाभार्थियों का विवरण	4
3	गांव का भौगोलिक विवरण	4
4	कार्यकारी सारांश	4-5
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	5
7	उत्पादन योजना	5-6
8	बिक्री और विपणन	6-7
9	स्वोट अनालिसिस	7
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11	अर्थशास्त्र का विवरण	10
12	आय और व्यय का विश्लेषण	11
13	निधि की आवश्यकता	12
14	निधि के स्रोत	12
15	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
16	ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	13
17	आय के अन्य स्रोत	13
18	बैंक ऋण चुकौती	13
19	निगरानी विधि	13
20	अनुलग्नक-I	14
21	अनुलग्नक-II	15
22	अनुलग्नक-III	16
23	अनुलग्नक-IV	17
24	अनुलग्नक-V	18

1. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	चामुंडा माता
2	वीएफडीएस	::	नंदपुर भटोली
3	श्रेणी	::	नगरोटा सूरियां
4	विभाजन	::	देहरा डिवीजन
5	गाँव	::	नंदपुर भटोली
6	अवरोध पैदा करना	::	हरिपुर
7	ज़िला	::	कांगड़ा
8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	08
9	गठन की तिथि	::	9/9/2022
10	बैंक खाता सं.	::	50100577784531
11	बैंक विवरण	::	एचडीएफसी नगरोटा सूरियां
12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	50रु.
13	कुल बचत	::	7200
14	कुल अंतर-ऋण	::	1500 रु.,
15	नकद क्रेडिट सीमा	::	शून्य
16	पुनर्भुगतान स्थिति	::	1%

2. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	नाम	पिता/पति और नाम	आयु	वर्ग	आय स्रोत	पता
1	उषा देवी (अध्यक्ष)	W/O विनोद कुमार	36	अनुसूचित जाति	कृषि	गांव- नंदपुर भटोली
2	अनीता देवी (सचिव)	कश्मीर के बिना सिंह	43	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	गांव- नंदपुर भटोली
3	प्रेम लता	डब्ल्यू/ओ पवन कुमार	50	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	गांव- नंदपुर भटोली
4	किरण बाला	पवन के साथ कुमार	45	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	गांव-नंदपुर भटोली
5	इंदु बाला	विमल के बिना कुमार	38	अनुसूचित जाति	कृषि	गांव- नंदपुर भटोली
6	कमला देवी	W/O सुरेश कुमार	51	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	गांव- नंदपुर भटोली
7	सुमना देवी	W/O चरण सिंह	44	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	गांव-नंदपुर भटोली
8	निशा देवी	टंगार के बिना सिंह	45	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	गांव-नंदपुर भटोली

3.गाँव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	80 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	::	1किमी
3	नाम का स्थानीय बाज़ार & दूरी	::	नंदपुर एवं 1किमी
4	नाम का मुख्य बाजार एवं दूरी	::	नगरोटा सूरियां और 10 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	जवाली, पठानकोट, कांगड़ा और 35, 70, 50
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	::	नगरोटा सूरियां, पठानकोट, कांगड़ा, जवाली, हरिपुर

4.कार्यकारी सारांश

चामुंडा माता स्वयं सहायता समूह द्वारा पापड़ और बड़ी बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। इस आईजीए को इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। पापड़ और बड़ी बनाना इस समूह की सभी सदस्यों की एक पारंपरिक घरेलू गतिविधि है और वे अपने घरेलू उपयोग के लिए इन खाद्य पदार्थों को तैयार करने की विधि से अच्छी तरह वाकिफ हैं। अब समूह आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके और इन वस्तुओं का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उद्देश्य से निर्माण करके इस गतिविधि को अपनी आजीविका बनाना चाहता है ताकि वे अपनी आय में वृद्धि कर सकें। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष की जाएगी। पापड़ बनाने की प्रक्रिया में लगभग 2-3 दिन लगते हैं। 2 किलोग्राम दालों से लगभग 1 किलोग्राम पापड़ का निर्माण होगा। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, भिगोना, पीसना, सुखाना आदि जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं। शुरुआत में समूह पापड़ का निर्माण करेगा, लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो समान प्रक्रिया का पालन करते हैं। उत्पाद को सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और नजदीकी बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा। 1 किलोग्राम पापड़ की बिक्री कीमत लगभग 150 प्रति किलोग्राम होगी।

इस समूह द्वारा शुरुआत में पापड़ (उड़द पापड़, मसाला पापड़, मूंग पापड़, जीरा पापड़, लहसुन पापड़, अप्पलम पापड़, चावल पापड़, सादा पापड़) एवं मूंग, माह, मसर, दांथल आदि की बड़ी बनाई जाएगी। यह कार्य इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही किया जा रहा है। समूह के सदस्यों द्वारा यह व्यवसायिक गतिविधि पूरे वर्ष संचालित की जाएगी। बड़ी बनाने की प्रक्रिया में लगभग 5 से 7 दिन और पापड़ बनाने में 2-3 दिन लगते हैं। 1 किलो बड़ी बनाने के लिए लगभग 1.25- 1.50 किलो दाल और 1 किलो पापड़ बनाने के लिए लगभग 2 किलो दाल और लगभग 150-200 ग्राम मसाला (काली मिर्च, बड़ी इलाइची, अजवाइन, जीरा आदि) की आवश्यकता होती है। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, भिगोना, पीसना, मिलाना, सुखाना आदि प्रक्रियाएं शामिल हैं। शुरुआत में समूह बड़ी का निर्माण करेगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो समान प्रक्रिया का पालन करेंगे। शुरुआत में उत्पाद सीधे समूह द्वारा या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकटवर्ती बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा। 1 किलोग्राम बड़ी की बिक्री कीमत लगभग 200-250 प्रति किलोग्राम होगी।

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	पापड़ और बड़ी,
2	तरीका का उत्पाद पहचान	::	समूह ने जेआईसीए कर्मचारियों के साथ मिलकर आजीविका गतिविधि की पहचान करने के लिए कई बैठकें कीं और इलाके में कच्चे माल की उपलब्धता जैसे कुछ मुद्दों पर चर्चा की। उत्पाद विपणन की स्थिति तैयार करने के लिए कौशल और फिर सभी एसएचजी ने शुरू में और बाद में पापड़ और बड़ी बनाने को अपनाने पर सहमति व्यक्त की इसी प्रकार की प्रक्रिया के और अधिक उत्पाद जोड़े जाएंगे।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	सभी एसएचजी सदस्य सहमत हैं और सभी की सहमति से प्रस्ताव पारित किया गया है।

6. पापड़ / चटनी / सेवइयां / बड़ी बनाने की व्यवसाय योजना के लिए उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

पापड़ के लिए:-

किसी भी IGA (आय सृजन गतिविधि) को शुरू करने से पहले विस्तृत और संरचित चर्चा के साथ एक अनुकूलित व्यवसाय योजना तैयार करना बहुत आवश्यक है। व्यवसाय योजना निवेश, परिचालन गतिविधियों, विपणन और शुद्ध आय / रिटर्न की स्पष्ट अवधारणा प्राप्त करने में मदद करती है। व्यवसाय को बढ़ाने की गुंजाइश भी स्पष्ट रूप से परिकल्पित की जाती है और इसके अलावा यह बैंकों से वित्त की व्यवस्था करने में भी मदद करती है। व्यवसाय पर लौटने से पहले बाजार का सर्वेक्षण करना उचित है और प्लस पॉइंट यह है कि इस SHG के समूह के सदस्य बाजार अध्ययन से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मुख्य रूप से SHG ने अपने क्षेत्र में विशिष्ट प्रकार के पापड़ की मांग का अध्ययन किया और मुख्य रूप से स्थानीय बाजार को लक्ष्य बनाया। SHG के सदस्यों ने आस-पास के बाजारों और बड़े पैमाने पर स्वाद वाले लोगों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करके IGA को शॉर्टलिस्ट किया है और IGA के रूप में इस गतिविधि को शुरू करने की संभावना देखी है।

अधिकांश कच्चा माल स्थानीय रूप से उपलब्ध है और लिंगड़ प्राकृतिक रूप से फर्न प्रजाति है। आस-पास के नम क्षेत्रों और नालों में मुफ्त में उपलब्ध है। इस समूह के आस-पास की छोटी बस्ती के लोगों में इस पापड़ चटनी सेवइयां बड़ी के प्रति स्वाभाविक लगाव है, अन्यथा यह खुले बाजार में उपलब्ध नहीं है।

बड़ी के लिए:-

- समूह द्वारा मूंग, माह, मसर दाल की बड़ी, सेपू बड़ी, सोया बड़ी, दांथल (अरबी पाटा) एवं अन्य दालों की बड़ी बनाई जाएगी। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष संचालित की जाएगी।
- बड़ी बनाने में 5-7 दिन और पापड़ बनाने में 8-10 दिन लगते हैं।
- अनुमान/अनुभव के आधार पर - 1.25-1.50 किलोग्राम दाल और 10-15 किलोग्राम मसाला (काली मिर्च, बड़ी इलायची, अजवाइन, जीरा आदि) से 2 किलोग्राम बड़ी तैयार होगी।
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, भिगोना, पीसना, मिश्रण करना, सुखाना आदि प्रक्रियाएं शामिल हैं।
- शुरुआत में समूह प्रतिमाह 50 किलो बड़ी और 150 किलो पापड़ तैयार करेगा तथा भविष्य में समूह मांग के अनुसार उत्पादन करेगा तथा इसी उत्पादन प्रक्रिया का पालन करते हुए अन्य उत्पाद भी बनाएगा।

(पापड़ और बड़ी बनाने की प्रक्रिया का फ्लो चार्ट)

बेसन + पापड़ खार (1%) या $NaHCO_3$

↓

पानी के साथ मिलाकर

↓

आटा बनाना और गूंथना

↓

छोटी गेंद में विभाजित करना

↓

दबाने पर (8-9 सेमी डायल)/छोटा

↓

रात भर के लिए स्टैकिंग

↓

धूप में सुखाएं - 10 से 15 मिनट तक

↓

शेड सुखाना

↓

पैकिंग (पे-पैकेट या प्लास्टिक(जार) की सीलिंग)

↓

भंडारण

7. उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	बड़ी के लिए 5-7 दिन और पापड़ के लिए 8-10 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (संख्या)	::	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किग्रा)	::	200 किलो दाल और 10-15 किलो मसाला बड़ी और पापड़ के लिए
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा.)	::	150 किलो पापड़ और 50 किलो बड़ी

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा सामग्री	इकाई	समय	मात्रा	मात्रा प्रति किलोग्राम (रु.)	कुल मात्रा	अपेक्षित उत्पादन महीने के (किलोग्राम)
1	दाल	किलोग्राम	महीने के	450	150	67500	350 पापड़ 140 किलोग्राम बादी
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	40	250	10000	

8. विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाज़ार स्थान	::	पठानकोट, जवाली, कांगड़ा

2	इकाई से दूरी	::	35 किमी, 70 किमी, 50 किमी.
3	बाज़ार/स्थानों में उत्पाद की मांग	::	दैनिक माँग और उच्च त्यौहारों और शादी-ब्याह के अवसरों पर इसकी मांग बढ़ जाती है।
4	प्रक्रिया का पहचान का बाज़ार	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता/थोक विक्रेता का चयन/सूचीकरण करेंगे। शुरू में उत्पाद बाजारों में बेचा जाएगा. पास में
5	विपणन रणनीति का the उत्पाद		स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपने उत्पाद सीधे गांव की दुकानों के माध्यम से बेचेंगे। से उत्पादन जगह/दुकान। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता, थोक विक्रेता का पास में बाजार. शुरुआत में उत्पाद 1 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन किया जाएगा द्वारा ब्रांडिंग CIG/SHG. बाद में इस IGA को ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है आभा स्तर
7	उत्पाद “नारा”		"ए का उत्पाद स्वयं सहायता समूह चामुंडा माता”

9.एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण

- **ताकत-**
    - कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है कच्चा माल
    - आसानी से उपलब्ध है
    - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है, उचित पैकिंग है और
    - परिवहन आसान है, उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है
    -

- **कमजोरी-**
    - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।

    - अत्यधिक श्रम-प्रधान कार्य.
    - सर्दी और बरसात के मौसम में उत्पाद निर्माण चक्र बढ़ जाएगा

- **अवसर-**
    - त्यौहार और शादी के अवसर पर उच्च मांग बाजारों का स्थान
    -
    - दैनिक/साप्ताहिक खपत और सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा उपभोग

- **खतरे/जोखिम-**
    - विनिर्माण एवं पैकेजिंग के समय तापमान एवं नमी का प्रभाव, विशेषकर सर्दियों एवं बरसात के मौसम में।
    - कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि प्रतिस्पर्धी बाजार
    -

1. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।

- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे। कुछ समूह सदस्य पैकेजिंग और
- विपणन में शामिल होंगे।

1. अर्थशास्त्र का विवरण:

एक।	**पूंजीगत लागत**			
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	ग्राइंडर (बड़ा)	2	4000	8000
2	एल्युमिनियम ढेग	2	3000	6000
3	स्टील परात	2	500	1000
4	करछुल	2	200	400
5	कटोरे (स्टील)	2	250	500
6	पॉलिथीन चटाई (तिरपाल)	1	रास	600
7	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के दस्ताने आदि।		रास	800
9	पैकेजिंग सीलिंग मशीन	1	2500	2500
10	परिवहन	रास	रास	1000
11	तोलनयंत्र	1	रास	2500
12	पानी का टब और मग	1	600	600
13	कच्चा माल	रास	रास	1000
14	रैक	1	1500	1500
	कुल पूंजी लागत (ए) =			**रु. 26400/-**

बी।	आवर्ती लागत				
सीनियर नहीं	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा माल (दाल)	किलोग्राम/माह	रास	रास	10000
2	कच्चा माल (मसाला)	किलोग्राम/माह	40	200	5000
3	किराया	महीना	1	3000	1500
4	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी) बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	1	2500	2000
कुल आवर्ती लागत बी =					**18500/-**

सी।	उत्पादन लागत (मासिक)	
क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	18500/-
2	पूंजीगत लागत पर 10% मासिक मूल्यह्रास	2640/-
	कुल	**रु. 21140/-**

डी।	विक्रय मूल्य गणना (प्रति चक्र)				
सीनियर नहीं	विवरण	इकाई	मात्रा	मात्रा (रु.)	
1	उत्पादन की लागत	किलोग्राम	1	350+140=490	इसमें कमी आएगी की मात्रा उत्पादन बढ़ोतरी।
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	1	पापड़ के लिए 200 और बाडी के लिए 180	
3	अपेक्षित विक्रय मूल्य SHG द्वारा	रुपये	1	पापड़ंद के लिए 350 बडी के लिए 300	

2. आय एवं व्यय का विश्लेषण (मासिक):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	2640
2	कुल आवर्ती लागत	18500
3	कुल उत्पादन/माह (किलोग्राम)	पापड़ 300 किलो और बड़ी 90 किलो
4	विक्रय मूल्य (प्रति किलोग्राम)	पापड़ 225 प्रति किलो बड़ी 135 प्रति किलो
5	पापड़ और बड़ी के लिए आय सृजन	पापड़ 200 किलो@350 प्रति= 70000 बड़ी180@300 = 54000 कुल = 124000
6	शुद्ध लाभ (124000- 89500)	34500/-
7	शुद्ध लाभ का वितरण	-लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। -लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। -लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

3. निधि की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल मात्रा (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	26400/-	19800/-	6600/-
2	कुल आवर्ती लागत	18500/-	0	18500/-
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/ कौशल ऊपर-उन्नयन	20000/-	20000/-	0
	कुल	**रु. 64900/-**	**रु. 39800/-**	**रु. 25100/-**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत -**परियोजना के अंतर्गत पूंजीगत लागत का 75% कवर किया जाएगा **आवर्ती**
- **लागत -**एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाएगा। **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल**
- **उन्नयन -**परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

4. निधि के स्रोत:

परियोजना समर्थन;	- पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा होगा परियोजना द्वारा दिया गया - 1 लाख रुपये तक की धनराशि स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में जमा की जाएगी (परिक्रामी खाता के रूप में) निधि) - प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत का वहन किया जाएगा परियोजना। - यदि स्वयं सहायता समूह बैंक से ऋण लेते हैं तो 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा कर दी जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूह को ऋण का भुगतान करना होगा। प्रिंसिपल की किश्तें नियमित आधार पर राशि।	खरीद का मशीनरी/उपकरण द्वारा किया जाएगा संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू सभी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद।
स्वयं सहायता समूह **योगदान**	- पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा- - आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी-	

1. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद-गुणवत्ता नियंत्रण-
-
- पैकेजिंग एवं विपणन-वित्तीय
- प्रबंधन-

2. ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

पूंजीगत व्यय/बिक्री मूल्य (प्रति किलोग्राम)-उत्पादन लागत (प्रति किलोग्राम) इस प्रक्रिया में 1050 किलोग्राम पापड़ और 554 किलोग्राम बड़ी बेचने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा। इसलिए, ब्रेक-ईवन 4-5 महीने में हासिल किया जाएगा।

3. आय के अन्य स्रोत:

ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से होने वाली आय।

4. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है, तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी डी.एम.यू. द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एस.एच.जी./सी.आई.जी. को मूल राशि की किश्तें नियमित आधार पर जमा करनी होंगी-

5. निगरानी विधि –

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और यदि आवश्यक हो तो प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं: -

- समूह का आकार-निधि
- प्रबंधन-
- निवेश
- आय पीढ़ी-
- उत्पादन स्तर-
- उत्पाद की गुणवत्ता-
- बेचा गया सामान-
- बाजार पहुंच

<u>समूह के सदस्यों की तस्वीरें</u> -

व्यवसाय - VFDS और DMU द्वारा योजना अनुमोदन

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Chamunda Mata...... Group will undertaken the Papad Bariyan as livelihood income Generation Activity under the Project for implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management and livelihood (JICA assisted). In the regard business plan of amount Rs 64900/- has been submitted by group on 15-12-2022 ... And the business plan has been approved by the VFDS Nandpur Bhatoli.

Business Plan is submitted through FTU for further action please

Thank you

उषा देवी

Signature of Group President

Anita Kumari

Signature of Group Secretary

Raghubir singh

Signature of President VFDS

Approved

DMU-CUM-Dehra

संकल्प-सह-समूह सहमति प्रपत्र

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the group Chamunda Mata Held on 09/09/022 at Nandpur that our group will undertake the Papad Badiyan as livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems management & Livelihoods (JICA Assisted).

आशा देवी
Signature of Group Pradhan

Anita Kumari
Signature of Group Secretary

FTU के माध्यम से DMU को प्रस्तुत किया गया

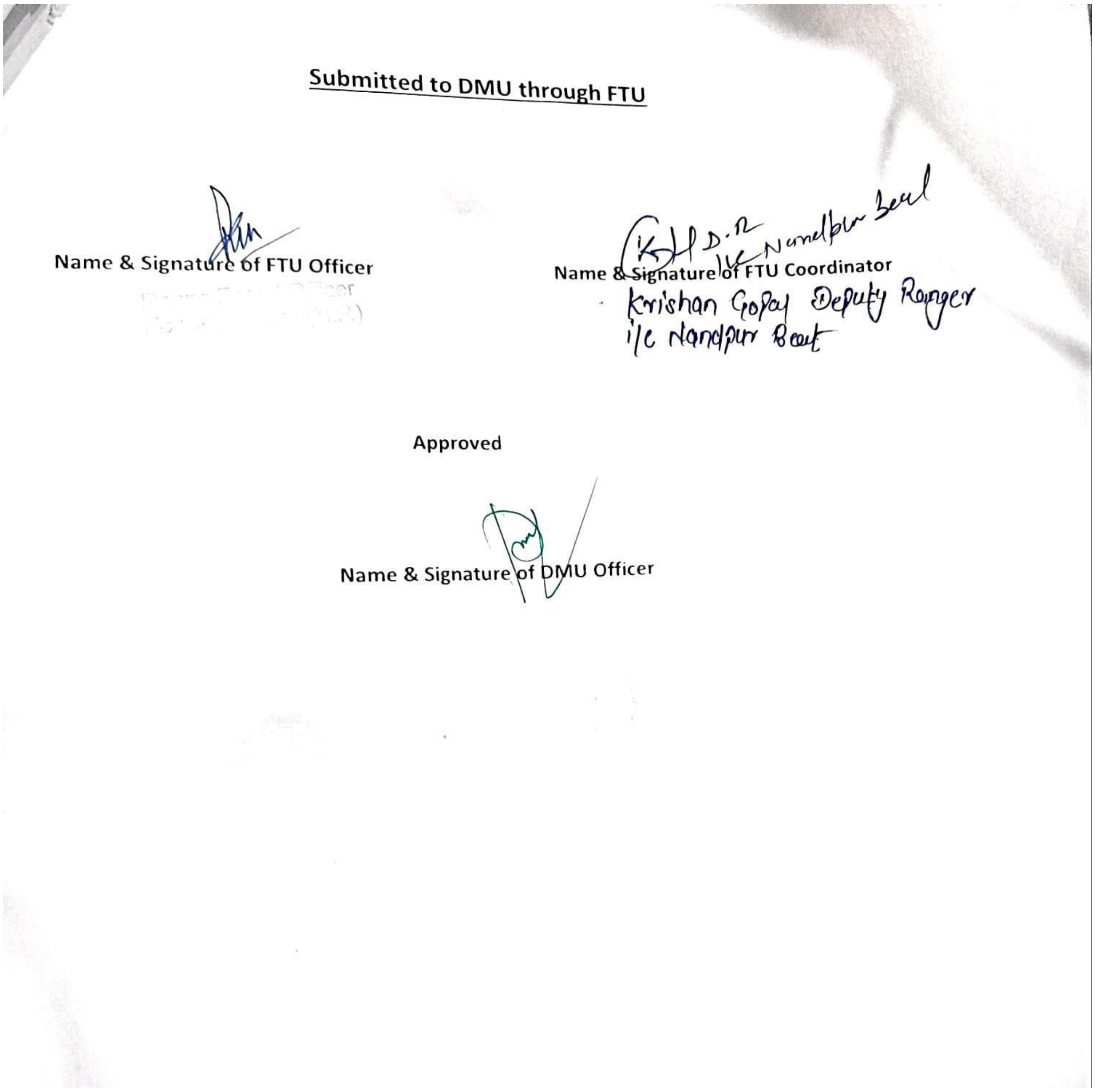

Submitted to DMU through FTU

Name & Signature of FTU Officer

Name & Signature of FTU Coordinator

Krishan Gopal Deputy Ranger
i/c Nandpur Beat

Approved

Name & Signature of DMU Officer